>

Title: Need to give recognition to the freedom fighters of Goa Liberation Movement.

**चौधरी लाल सिंह (उधमपुर):** मैडम, मैं आपके माध्यम से, बहुत तकलीफ के साथ यह बात कह रहा हूं। 54 वर्ष हो गए हैं। मेरे राज्य जम्मू-कश्मीर से, उस जमाने के कुछ नौजवान गोआ को आजाद करवाने के लिए गए थे। 20 नौजवान डा0लोहिया जी के नेतृत्व में वहां सत्याग्रह करने के लिए आए और वहां उनके ऊपर बड़ी यातनाएं हुई, उन्होंने बहुत स्ट्रगल किया। ऐसे ही हिन्दुस्तान के अलग-अलग राज्यों से लोग वहां गए जिन्होंने वहां जाकर स्ट्रगल किया और कुर्बानियां दीं। अफसोसनाक बात यह है कि तमाम राज्यों के जितने भी फ्रीडम फाइटर्स थे, उन सभी को फ्रीडम फाइटर का सम्मान दिया गया, उनको पेंशन और रूतबा दिया गया, लेकिन जम्मू-कश्मीर के इन 20 लोगों, जिनमें से 13 चल बसे हैं, केवल सात लोग बचे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर की सरकार ने लिखकर भी भेजा है। पिछली टेन्योर में मैंने जब यह सवाल उठाया था, तो मुझे बताया गया कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने इनको रिकग्नाइज नहीं किया है, आप वहां से कराइए। इसको मैंने राज्य की पिछली सरकार, जो आजाद साहब के नेतृत्व में चल रही थी, से कराकर यहां पहुचाया। वहां उनको पेंशन मिली, रिकग्निशन मिली, वहां उनके इमोशन को देखा गया, लेकिन जब यह केस केन्द्र सरकार के पास आया, तो इन्होंने उस पर कुछ नहीं किया और कहा गया कि अब यह मामला खत्म हो चुका है। फ्रीडम फाइटर, देश का वह नौजवान, जिसने बगैर किसी लोभ-लालच कुर्बानी दी, जिसने कभी यह नहीं चाहा था कि गोवा में जाकर मुझे तगमा मिलेगा, उसने यह नहीं कहा था कि मुझे इज्जत या मेरे परिवार को कुछ मिलेगा या नहीं, उसने केवल यह कहा था कि मेरे देश का एक कोना, जो अभी भी गुलाम है पुर्तगालियों का, उसको आजाद कराना है। इसके लिए वे डा0 लोहिया के नेतृत्व में वहां पहुंचे। मैं यह कहना चाहता हूं भारत सरकार से, होम मिनिस्ट्री से, कि कृपया मेहरबानी करके ऐसा कीजिए। ... *

**अध्यक्ष महोदया :** आप नाम मत लीजिए, ऐसे ही बताइए।

**चौधरी लाल सिंह :** मैडम, मैं इनके नाम इसलिए ले रहा था कि इनके नाम इस किताब में लिखे जाएं।

**अध्यक्ष महोदया :** ठीक है, अब आप आगे बोलिए।

---

* Not recorded.

**चौधरी लाल सिंह :** मैडम, मेरी आपके माध्यम से सब्मिशन है कि मेहरबानी करके इन परिवारों को इज्जत दी जाए। धन्यवाद।

SHRI FRANCISCO COSME SARDINHA (SOUTH GOA) Madam Speaker, I would like to associate myself with the issue.

SHRI SHRIPAD YESSO NAIK (NORTH GOA): Madam Speaker, I would like to associate myself with the issue.

**श्रीमती प्रिया दत्त (मुम्बई उत्तर-मध्य):** अध्यक्ष महोदया, मैं चौधरी लाल सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

**डॉ. ज्योति मिर्धा (नागौर):** अध्यक्ष महोदया, मैं चौधरी लाल सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

**श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव):** अध्यक्ष महोदया, मैं चौधरी लाल सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

**अध्यक्ष महोदया :** योगी आदित्यनाथ जी, आपने मुझे एडजर्नमेंट मोशन और सस्पेंशन ऑफ क्वेश्चन ऑवर, दो नोटिसेज भेजी थीं, दोनों मैंने अस्वीकृत कर दिए हैं क्योंकि वे नियम 388 और नियम 56 के अर्न्तगत नहीं आते हैं, लेकिन आप उस विषय पर इस समय बोल सकते हैं। आपके दो विषय हैं, लेकिन आप इस समय एक विषय पर ही बोलिए।